अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : तृतीय – जैन धर्म प्रथमा (परीक्षा 24 जुलाई, 2016)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) संलेखना के अतिचार हैं-

(क) 14 (ख) 5

(ग) 60 (घ) 15 ( )

(b) बारहवाँ पापस्थान है-

(क) कलह (ख) अभ्याख्यान

(ग) द्वेष (घ) पैशुन्य ( )

(c) पाप शल्य को निकालने का अमोघ साधन है -

(क) सामायिक (ख) प्रत्याख्यान

(ग) प्रतिक्रमण (घ) वंदना ( )

(d) गीली मिट्टी उदाहरण है -

(क) अप्काय (ख) पृथ्वीकाय

(ग) वनस्पतिकाय (घ) तेउकाय ( )

(e) जिस शरीर में विशेष क्रियाएँ होती हैं, वह है -

(क) औदारिक (ख) वैक्रिय

(ग) तैजस् (घ) कार्मण ( )

(f) पुनः महाव्रतों में आरोपित करना कहलाता है -

(क) सामायिक चारित्र (ख) यथाख्यात चारित्र

(ग) सूक्ष्म सम्पराय चारित्र (घ) छेदोपस्थापनीय चारित्र ( )

(g) ब्राह्मण वर्ण की स्थापना किसने की-

(क) भगवान ऋषभदेव (ख) भगवान महावीर

(ग) भरत चक्रवर्ती (घ) वासुदेव श्रीकृष्ण ( )

(h) 'अरिहंत देव का क्या कहना' प्रार्थना के रचयिता हैं-

(क) श्री पारसमुनिजी (ख) श्री प्रमोदमुनिजी

(ग) श्री गौतम मुनिजी (घ) श्री महेन्द्रमुनिजी ( )

(i) उपबृंहा भेद है-

(क) ज्ञानाचार (ख) दर्शनाचार

(ग) चारित्राचार (घ) तपाचार ( )

(j) उत्कृष्ट वन्दना की जाती है -

(क) मत्थएण वंदामि से (ख) तिक्खुत्तो से

(ग) नवकार मंत्र से (घ) इच्छामि खमासमणो से ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) लोगस्स सूत्र से चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति की गई है। ( )

(b) 'स्वच्छन्द' दोष मन से सम्बन्धित दोष है। ( )

(c) कायोत्सर्ग की निश्चित काल मर्यादा होती है। ( )

(d) छोटी नवतत्त्व के 115 भेद होते हैं। ( )

(e) अशुभयोग प्रवर्ताना, संवर का एक भेद है। ( )

(f) चौबीस दण्डक में 21वाँ दण्डक मनुष्य का है। ( )

(g) 'काल द्रव्य' अनंत प्रदेशी होता है। ( )

(h) 'सर्वार्थसिद्ध' अनुत्तर वैमानिक का एक भेद है। ( )

(i) भगवान ऋषभदेव ने माघकृष्णा त्रयोदशी को निर्वाण प्राप्त किया। ( )

(j) वीर्याचार के तीन भेद बताये गये हैं। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं 17वाँ पापस्थान हूँ। .....

(b) मैं अधिक हिंसा वाले धन्धों से आजीविका चलाने पर होता हूँ। .....

(c) मेरे द्वारा ज्ञान, दर्शन, चारित्र व तप सम्बन्धी अत्तिचारों की शुद्धि की जाती है। .....

(d) मेरे द्वारा जीव वर्ण का ज्ञान प्राप्त करता है। .....

(e) मैं शरीर का वह भेद हूँ, जो केवल चौदह पूर्वधारी प्रमत्त अणगार में ही पाया जाता हूँ। .....

(f) मेरे द्वारा जीव साता-असाता की अनुभूति प्राप्त करता है। .....

(g) मैं चारित्र का वह भेद हूँ, जो प्रथम और अंतिम तीर्थंकर के शासनकाल में ही होता है। .....

(h) मैं वह नगरी हूँ, जो आगे चलकर अयोध्या के नाम से प्रसिद्ध हुई। .....

(i) मैं प्रदूषण का वह रूप हूँ, जो औद्योगिक इकाइयों एवं वाहनों से निकलने वाले धुएँ से होता हूँ। .....

(j) मेरे द्वारा जीव नीच गोत्र का क्षय एवं उच्च गोत्र का बंध करता है। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए **14x2 = (28)**

(a) आवर्त्तन तीन बार क्यों किये जाते हैं?

.....

.....

(b) दर्शन समकित के दो अत्तिचार लिखिए।

.....

.....

(c) **संलेखना के प्रथम चार अतिचार लिखिए।**

.....

.....

(d) **ज्ञान के प्रथम दो अतिचार लिखिए।**

.....

.....

(e) **तेउकाय किसे कहते हैं? एक उदाहरण भी लिखिए।**

.....

.....

(f) **मतिज्ञान किसे कहते हैं?**

.....

.....

(g) **लक्षण किसे कहते हैं? प्रथम दो भेद भी लिखिए।**

.....

.....

(h) **आलाप व संलाप को परिभाषित कीजिए।**

.....

.....

(I) **भगवान ऋषभदेव के जन्म व च्यवन कल्याणक की तिथि लिखिए।**

.....

.....

(j) **भगवान ऋषभदेव ने कौन-कौनसे वर्ण की स्थापना की?**

.....

.....

(k) **आचार्य ..... नमस्कार। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

(l) **सुर ..... क्या कहना। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

(m) **पांच ..... नमस्कार। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

(n) **दिपै ..... घिन गेह। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **इच्छामि णं भंते का पाठ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(b) **प्रतिक्रमण का क्या प्रयोजन है?**

.....

.....

.....

.....

(c) **अन्तिम छः कर्मादानों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(d) **बारहवें स्थूल के अतिचार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(e) **99 अतिचारों का पाठ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(f) **अणुजाणह ..... जवणिज्जं। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **गोत्र कर्म को परिभाषित कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **शरीर किसे कहते हैं? शरीर के भेदों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **मिश्र मोहनीय गुणस्थान को समझाइए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **सड़सठ बोल में से स्थानक के भेदों का उल्लेख कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **श्रद्धान किसे कहते हैं? श्रद्धान के भेदों का उल्लेख कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(l) **भगवान ऋषभदेव को जीवनी से मिलने वाली तीन शिक्षाएँ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(m) **कोई पूजे ..... यह जीवन। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(n) **जैन-धर्म के सिद्धान्तों के अनुसार पर्यावरण को कैसे प्रदूषण-मुक्त कर सकते हैं? स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

.....